जकर्याह

1 दारा राजा के शासन के दूसरे साल के
आठवें महीने में जकर्याह नबी के पास
जो बेरेक्याह का बेटा और इद्दो का पोता
था, प्रभु का यह संदेश दिया गया : 2 प्रभु
तुम्हारे पूर्वजों से बहुत ही गुस्सा हो गए थे।
3 इसलिए तुम इन लोगों से कहो, सेनाओं के
याहवे प्रभु का कथन है : तुम मेरी ओर वापस
लौट आओ, तब मैं भी अपना रुख तुम्हारी
ओर करूँगा। 4 तुम अपने पुरखाओं की तरह
मत बनो। पुराने भविष्यद्वक्ता चिल्ला-चिल्लाकर
कहा करते थे "अपने गलत रास्तों और कामों
को छोड़ दो, लेकिन प्रभु कहते हैं, कि उन्होंने
न सुना और न ही मेरी ओर ध्यान दिया।
5 तुम्हारे पूर्वज कहाँ हैं और भविष्यद्वक्ता क्या
सदाकाल तक जीवित रहते हैं? 6 लेकिन
मेरी कही हुई बातें और आदेश जिन्हें मैंने
अपने दास नबियों को दिया, क्या वे तुम्हारे
पुरखाओं पर पूरी न हुई? तब उन्होंने मन
बदला और कहा, "सेनाओं के प्रभु ने हमारे
चरित्र और कामों के अनुसार जिस तरह का
बर्ताव करने को कहा था, वैसा ही उन्होंने
हमको बदला दिया है।" 7 दारा के दूसरे वर्ष
के शबात नाम ग्याहरवें महीने के चौबीसवें
दिन को जकर्याह नबी को जो बेरेक्याह का
बेटा और इद्दो का पोता था, याहवे का संदेश
मिला : 8 रात के वक्त स्वप्न में मैंने एक
आदमी को लाल घोड़े पर चढ़े हुए और
उन मेंहदियों के बीच खड़ा देखा, जो नीचे
की जगह में हैं, और उसके पीछे लाल और
सुरंग और सफेद घोड़े भी खड़े हैं। 9 तब मैं
बोल उठा, "हे प्रभु ये कौन हैं?" तब जो
दूत मुझसे बातें कर रहा था उसने कहा, "मैं
तुझे बताऊँगा।" 10 फिर जो आदमी मेंहदियों
के बीच खड़ा था, उसने कहा, "ये वे हैं
जिन्हें याहवे ने दुनिया पर सैर के लिये भेजा
है" 11 तब उन्होंने याहवे के उस दूत से जो
मेंहदियों के बीच खड़ा था, कहा, "हमने
दुनिया की सैर की है, और क्या पाया कि
सारी जगह अमन और चैन है।" 12 तब याहवे
का दूत बोला, "हे सेनाओं के प्रभु, आप जो
यरूशलेम और यहूदा के नगरों पर सत्तर साल
से गुस्सा हैं, सो आप उन पर कब तक दया
न करेंगे?" 13 और याहवे ने जबाब में उस
दूत से जो मुझसे बातें कर रहा था, अच्छी
अच्छी और शांति की बातें कही। 14 तब जो
दूत मुझ से बातें कर रहा था, बोला, "तुम
पुकारकर कहो कि सेनाओं का याहवे कहते
हैं, मुझे यरूशलेम और सिय्योन के बारे में
बहुत जलन है। 15 जो देश सुख से रहते हैं,
उन पर मुझे गुस्सा आ रहा है; क्योंकि मेरा
क्रोध थोड़ा सा था, लेकिन उन्होंने मुसीबत
को बढ़ा दिया। 16 इस कारण याहवे कहते हैं,
अब मैं दया करके यरूशलेम को लौट आया
हूँ; मेरा भवन उसमें बनेगा, और यरूशलेम
पर नापने की डोरी डाली जाएगी। 17 ऊँची
आवाज़ में यह भी कहो कि परमेश्वर का
कहना यह है कि उनका नगर फिर से बढ़िया
वस्तुओं से भर जाएगा, और सिय्योन को
फिर से शांति मिलेगी; यरूशलेम फिर से
उनका कहलाएगा। 18 फिर मैंने चार सींग
देखे। 19 जो दूत मुझसे बात कर रहा था,
उससे मैंने सवाल किया। जवाब में उसने मुझे
बताया कि वे सींग वही हैं, जिन्होंने यहूदा
और इस्राएल और यरूशलेम को तितर-बितर
कर दिया। 20 फिर याहवे ने मुझे चार लोहार
दिखाए। 21 मैंने प्रश्न किया, तो जवाब मिला

कि वे सींग वही हैं, जिन्होंने यहूदा को ऐसा
बिखरा दिया कि किसी में सिर उठाने की
हिम्मत न थी। लेकिन ये लोग उन्हें भगाने
के लिये और देशों के लोगों की ताकत को
नेस्तनाबूद करने के लिए आए हैं, जिन्होंने
यहूदा के देश को तितर-बितर करने के लिये
उनके खिलाफ अपनी शक्ति दिखाई है।

2 फिर मैंने एक आदमी को देखा, जिसके
हाथ में नापने वाली डोरी थी। 2 मैंने
जानना चाहा कि वह कहाँ जा रहा था।
उसने बताया कि वह यरूशलेम को नापने
जाता है ताकि मालूम करे कि उसकी चौड़ाई
और लम्बाई कितनी है। 3 फिर मुझसे बातें
करने वाला दूत चला गया। दूसरा दूत उससे
मिलने आया, 4 उसने उससे कहा कि फुर्ती
से जाकर इसे बताओ कि यरूशलेम इन्सानों
और घरेलू जानवरों की वजह से शहरपनाह
के बाहर भी बसेगी। 5 याहवे का कहना है
कि वह खुद उसके चारों ओर आग की
सी शहरपनाह ठहरेंगे और उसके बीच में
तेजोमय होकर दिखेंगे। 6 याहवे कहते हैं,
"उत्तर के देश में से भाग जाओ, क्योंकि मैंने
तुम्हें आकाश और चारों हवाओं की तरह
बिखेर डाला है। 7 हे सिय्योन उठ! बाबुल
की बेटी के साथ रहने वाली बचकर भाग
निकल!" 8 सेनाओं के याहवे का कहना यह
है कि उस तेज के दिखाई देने के बाद उन्होंने
मुझे उन देशों के लोगों पास भेजा है जो
तुम्हें लूटते थे, क्योंकि तुम्हें छूने वाला, मुझे
छूता है। 9 देखो, मैं अपना हाथ उनके विरूद्ध
उठाऊँगा, तब वे लोग उन्हीं से लूटे जाएँगे,
जो उनके गुलाम हुए थे। तब तुम्हें मालूम पड़
जाएगा कि सेनाओं के प्रभु ने मुझे भेजा है।
10 हे सिय्योन, ऊँची आवाज़ से गीत गाओ
और खुशी मनाओ, क्योंकि मैं आकर तुम्हारे
बीच रहूँगा। 11 उस समय बहुत से देश याहवे
से मिल जाएँगे और मेरी प्रजा बन जाएँगे
और मैं तुम्हारे बीच रहूँगा। 12 और तुम जान
सकोगे कि सेनाओं के प्रभु ने मुझे भेजा है
और याहवे यहूदा को पवित्र देश में अपना
हिस्सा कर लेंगे। 13 सभी लोगो! याहवे के
सामने खामोश रहो; क्योंकि वह जागकर
अपने पवित्र निवासस्थान से निकले हैं।

3 फिर उसने यहोशू महायाजक को याहवे
के दूत के सामने खड़ा हुआ मुझे
दिखाया, और शैतान उसकी दाहिनी ओर
उसका खिलाफत करने खड़ा था। 2 तब
याहवे ने शैतान से कहा, "हे शैतान याहवे
तुम्हें डाँटें! याहवे जो यरुशलेम को अपना
लेते हैं, वही तुम्हें डाँटें! क्या वह आग
से निकाली हुई लुकटी नहीं?" 3 उस समय
यहोशू गंदे कपड़े पहने हुए दूत के सामने
खड़ा था। 4 तब दूत ने उन लोगों से जो
सामने खड़े थे कहा, "इसके गंदे कपड़ों
को उतारो।" फिर उसने उससे कहा, "देखो,
मैंने तुम्हारी बुराई को हटा दिया है और
तुम्हें खूबसूरत कपड़े पहना देता हूँ। 5 तब
मैं बोला, "इसके सिर पर एक शुद्ध पगड़ी
रखी जाए।" उन्होंने उसके सिर पर पुरोहित
वाली साफ पगड़ी रखी और कपड़े पहनाए।
उस समय प्रभु का दूत वहाँ खड़ा रहा। 6 तब
प्रभु के दूत ने यहोशू को चिताया और कहा,
7 सेनाओं के याहवे तुमसे यह कहते हैं, कि
यदि तुम मेरे रास्तों पर चलो और जो मैंने
तुम्हें सुपुर्द किया है उसको सम्भाले रहो,
तब तुम मेरे भवन के न्यायी और आंगनों
के रक्षक होगे और मैं तुमको उनके बीच
आने-जाने दूँगा, जो पास में खड़े हैं। 8 हे
यहोशू महायाजक, तुम सुन लो और तुम्हारे
भाईबन्धु जो तुम्हारे सामने खड़े हैं वे भी सुनें,
क्योंकि वे मनुष्य आशीष के माध्यम हैं :
सुनो, मैं अपने दास (डाली) को दिखा दूँगा।

9 उस पत्थर को देखो, जिसे मैंने यहोशू के
सामने रखा है। उस एक पत्थर के ऊपर सात
आंखें बनी हैं। सेनाओ के याहवे कहते हैं,
"देखो मैं उस पत्थर को खोद दूँगा और इस
देश के अनुचित कामों को एक ही दिन में हटा
दूँगा। 10 उसी दिन तुम अपने भाईबन्धुओं को
अंगूर और अंजीर के पेड़ के नीचे आने के
लिए बुलाओगे, सेनाओ के याहवे प्रभु का
यही कहना है।"

4 जिस तरह से किसी को नींद से जगाया
जाता है, मुझे किसी ने जगाया। 2 फिर
उसने मुझसे पूछा, "तुम्हें क्या दिख रहा है?"
मेरा जवाब था, "सोने से बनी एक दीवट,
जिस पर एक कटोरा और सात दीपक हैं।
उसके हर एक दीपक की सात सात नालियाँ
हैं।" 3 उसके पास जैतून के दो पेड़ भी हैं,
एक कटोरे के दाहिनी ओर, तथा दूसरा बाई
ओर। 4 तब मैंने उस स्वर्गदूत से सवाल किया
जो मुझसे बात कर रहा था, "हे प्रभु, ये हैं
क्या?" 5 उसने जवाब में कहा, "क्या तुम्हें
मालूम नहीं?" मैंने कहा, "नहीं।" 6 फिर वह
बोला, "जरुब्बाबेल के लिए याहवे का वचन
है : 'न तो बल से, न शक्ति से, लेकिन मेरी
आत्मा से होगा' यह सेनाओं के याहवे कहते
हैं। 7 हे महापर्वत तुम क्या हो? जरुब्बाबेल
के सामने तुम मैदान बन जाओगे; और जब
वह भवन की चोटी का पत्थर लगाने पर
होगा, तभी धन्य हो, धन्य हो कि पुकार
सुनाई देगी।" 8 प्रभु का यह संदेश भी मुझे
मिला, 9 इस इमारत की नींव जरुब्बाबेल
के हाथों से डाली गई है, और वही उसे
पूरा भी करेगा। तब तुम्हें मालूम होगा कि
सेनाओं के याहवे ने मुझे तुम्हारे पास भेजा
है। 10 क्योंकि छोटी बातों के दिन को किसने
बेकार समझा है? जरुब्बाबेल के हाथ में
साहुल देखकर ये सातों याहवे की आँखें जो
दुनिया में इधर-ऊधर फिरती हैं, बहुत खुश
होंगी।" 11 तब मैंने उससे प्रश्न किया, "दीवट
के दाएँ-बाएँ जैतून के जो पेड़ हैं वे क्या हैं?"
12 फिर मैंने दूसरी बार मैंने वही सवाल किया,
"जैतून की दो डालियाँ क्या हैं जो सोने की
दोनों नालियों से सुनहरा तेल उण्डेलती हैं?"
13 उसने जवाब में कहा, "क्या तुम जानते
नहीं हो?"मैंने कहा, "नहीं, मेरे मालिक।"
14 तब वह बोला, "ये दो अभिषिक्त हैं जो
सारी दुनिया के प्रभु परमेश्वर के सामने हाज़िर
रहते हैं।"

5 फिर मैंने देखा कि एक चमड़े का पत्र
उड़ रहा है जिस पर कुछ लिखा था।
2 स्वर्गदूत ने मुझसे कहा, "तुम्हें क्या दिख
रहा है?" मैंने कहा, "उड़ता हुआ पत्र दिखाई
दे रहा है, जिसकी लम्बाई बीस हाथ और
चौड़ाई दस हाथ है।" 3 वह मुझसे फिर बोला,
"यह वह शाप है जो इस देश में आने वाला
है। एक ओर लिखे हुए लेख के अनुसार
प्रत्येक चोर को बर्बाद किया जाएगा। दूसरी
ओर लिखे हुए लेख के अनुसार प्रत्येक झूठे
कसम खाने वाले का मार दिया जाएगा।"
4 सेनाओं के याहवे का कहना है, "मैं इसे
भेजूँगा और यह चोरी करने वाले के घर
में तथा मेरे नाम से झूठी शपथ खानेवाले
के घर में दाखिल होगा - और उस घर में
रात बिताएगा तथा उसको लकड़ी - पत्थर
सहित भस्म कर देगा।" 5 तब जो स्वर्गदूत
मुझसे बात कर रहा था, वह बाहर चला
गया, और उसने मुझसे कहा, "अब अपनी
आँखें उठाकर देखो, यह क्या है जो निकला
आ रहा है?" 6 मैंने सवाल किया, "यह क्या
है?" उसने कहा, "यह तो एपा का नाप है जो
निकला आ रहा है।" उसने फिर कहा, "यह
तो पूरे देश के लोगों का प्रतीक है।" 7 और
देखो उस पर से शीशे का ढक्कन उठा लिया

गया और एपा के भीतर एक महिला बैठी
हुई थी।“ 8 फिर उसने कहा, “यह महिला
बुराई है।” तब उसने उस महिला को एपा
के अन्दर दबा दिया, तथा शीशे के भारी
ढक्कन से एपा को ढाँक दिया। 9 इसके बाद
मैंने अपनी आँखें उठाईं, और देखा कि दो
महिलाएँ अपने पंखों से हवा में उड़ती चली
जा रही हैं। उनके पंख लगलग के पंखों की
तरह हैं। वे एपा को उठाकर आकाश और
पृथ्वी के बीच उड़ाए लिए जा रही हैं। 10 फिर
मैंने उससे पूछा, कि वे एपा को कहाँ ले जा
रही हैं? 11 उसने मुझसे कहा, “शिनार देश
में, उसके लिए मन्दिर बनाना। जब वह बन
जाएगा तब एपा अपने ही पाए पर खड़ा कर
दिया जाएगा।”

6 जब मैंने अपनी आँखें उठाकर देखा तो
चार रथ दो पहाड़ों के बीच से चले आ
रहे थे, और वे पहाड़ काँसे के थे। 2 पहिले रथ
में लाल घोड़े, और दूसरे में काले, 3 तीसरे में
सफेद तथा चौथे में तंदरुस्त चितकबरे और
बादामी घोड़े जुते हुए थे। 4 तब जो स्वर्गदूत
जो मुझसे बातें कर रहा था, उससे मैंने सवाल
किया, “हे मेरे प्रभु, ये क्या हैं?” 5 तो स्वर्गदूत
का जवाब था, “ये आकाश की चार आत्माएँ
हैं जो सारी दुनिया के मालिक की सेवा
करने के बाद चली आ रही हैं। 6 उनमें से
काले घोड़े वाला रथ, उत्तरी प्रदेश की ओर
चला जा रहा है। सफेद घोड़े वाला उसके
पीछे पीछे जा रहा है, और चितकबरे घोड़े
वाला दक्षिण दिशा की ओर जा रहा है। 7 ये
सभी ताकतवर घोड़े निकलकर पुरी दुनिया में
गश्त लगाने के लिए तैयार थे। इसलिए उसने
कहा, “जाओ पृथ्वी पर गश्त लगाओ।”
इसलिए उन्होंने पृथ्वी पर गश्त लगाई। 8 तब
उसने ऊँची आवाज़ मुझसे कहा, “देखो, जो
उत्तरी देश की ओर जा रहे हैं, उन्होंने वहाँ मेरे
गुस्से को शांत किया है।” 9 प्रभु का संदेश
मुझे मिला,: 10 निकाले गए लोगों में, हेल्दै,
तोबिय्याह और यदायाह से कुछ ईमान लो,
और उसी दिन सपन्याह के बेटे योशिय्याह
के घर जाओ जहाँ वे बेबीलोन से पहुँचे हैं।
11 और सोना चाँदी लेकर एक ताज बनाओ
कर उसे यहोसादाक पुरोहित के बेटे यहोशू
के सिर पर रखो। 12 उसके बाद उससे कहो,
“सेनाओं के प्रभु कहते हैं : उस इन्सान को
देखो जिसका नाम शाख है, क्योंकि वह वहाँ
से फूट निकलेगा, जहाँ वह है। वह प्रभु का
भवन बनाएगा।” 13 हाँ, यह वही है जो प्रभु के
मन्दिर को बनाएगा, उसे इज्जत भी मिलेगी।
वह उसके राजासन पर बैठकर राज्य करेगा।
इस तरह, वह अपने राजासन पर पुरोहित
भी होगा, तथा दोनों पदों के बीच मेल की
सहमति होगी।” 14 वह ताज प्रभु के भवन में
हेलेम, तोबिय्याह, यदायाह, और सपन्याह
के बेटे हेन को मिले और वे याहवे के मन्दिर
में स्मरण के लिए बने रहें। 15 जो लोग दूर हैं
वे आकर प्रभु के भवन को बनाएंगे। तब तुम्हें
मालूम पड़ेगा कि प्रभु ने मुझे तुम्हारे पास भेजा
है। यदि तुम अपने परमेश्वर याहवे के आदेश
को पूरी तरह मानोगे, तो यह बात पूरी होगी।

7 फिर दारा राजा के शासन के समय के
चौथे साल के किसलेव नाम नौवें महीने
के चौथे दिन प्रभु का संदेश मुझ जकर्याह को
मिला। 2 बेत-एल में रहने वालों ने सरेशेर और
रेगेम्मेलेक को भेजा था कि प्रभु से प्रार्थना
करें, 3 और सेनाओं के प्रभु भवन के पुरोहितों
और नबियों से पूछें, “क्या हम पांचवें महीने
में उपवास रखकर रोएँ जैसा हमने गत तमाम
सालों में किया है।” 4 तब सेनाओं के प्रभु
का यह संदेश मेरे पास आया, 5 देश के सभी
लोगों और पुरोहितों से कह, जब मुझसे गत
सत्तर सालों में पाँचवें और सातवें महीनों में

उपवास रखा, और विलाप किया, तो क्या
तुमने मेरे ही लिए उपवास किया? 6 और जब
तुम खाते पीते हो, तो क्या तुम अपने ही
लिए नहीं खाते, और क्या अपने ही लिए
नहीं पीते हो? 7 क्या ये वही वचन नहीं है,
जिनकी प्रभु ने अपने पूर्व नबियों के द्वारा
उस समय घोषणा की थी जब यरूशलेम
आबाद था, तथा अपने चारों ओर के नगरों
सहित समृद्ध था, और दक्षिण देश तथा
तराई क्षेत्र अर्थात नीचे के देश भी आबाद
थे। 8 तब याहवे का यह संदेश जकर्याह के
पास पहुँचा : 9 सेनाओं के प्रभु यों कहते हैं,
इस्त्राएल सही करो, तथा प्रत्येक अपने भाई
से दया और करूणा के साथ बर्ताव करे,
10 न तो विधवा, अनाथ, परदेशी, या गरीब
को सताना। अपने अपने मन में एक दूसरे
के खिलाफ नुकसान की कामना न करना।
11 लेकिन उन्होंने ध्यान देने से इन्कार किया,
ढिठाई की, और अपने कान ऐसे बंद कर
लिए कि वे सुन न सके। 12 उन्होंने अपने मन
चकमक की तरह सख्त कर लिए, जिससे वे
प्रभु के वचन और नियम आज्ञाओं को सुन
नहीं सके, जिनको सेनाओं के प्रभु ने अपने
आत्मा से अपने पुराने नबियों के द्वारा भेजा
था। इसलिए, सेनाओं के प्रभु का जबरदस्त
गुस्सा उतर आया। 13 और ऐसा होगा, कि
जैसे मैंने पुकारा और उन्होंने सुना नहीं, वैसे
ही उनके दोहाई देने पर भी मैं सुनूँगा नहीं।
14 लेकिन मैंने उनको बवण्डर के द्वारा उन
सभी देशों के बीच तितर-बितर कर दिया है,
जिनको वे जानते भी न थे। इस तरह उनके
पीछे उनकी ज़मीन ऐसी सुनसान है कि कोई
आता-जाता नहीं, क्योंकि मनभावनी पृथ्वी
को वीरान कर डाला है।

8 फिर सेनाओं के प्रभु का यह वचन
मुझे मिला : 2 सेनाओं के प्रभु कहते हैं
: सिय्योन के लिए मुझे बहुत जलन हुई,
यहाँ तक कि मेरा मन जलजलाहट से भर
गया। 3 याहवे का कहना है, 'मैं सिय्योन में
वापस चला आऊँगा, और यरूशलेम के बीच
रहूँगा। तब यरूशलेम सच्चाई का नगर तथा
सेनाओं के याहवे का पहाड़, पवित्र पहाड़
कहलाएगा।' 4 सेनाओं के याहवे कहते हैं,
बुजुर्ग पुरुष तथा बुजुर्ग महिलाएँ दोनों उम्र
के ज़्यादा होने के कारण अपने अपने हाथ
में लाठी लिए हुए यरूशलेम के चौकों में
फिर बैठा करेंगे। 5 और खेलनेवाले लड़कों
और लड़कियों से नगर के चौक भरे रहेंगे।
6 सेनाओं के प्रभु कहते हैं : चाहे यह बात
उन दिनों इन बाकी लोगों की निगाह में भी
मुश्किल होगी, पर मेरी निगाह में अनोखी
होगी, सेनाओं के प्रभु का यही संदेश है?
7 सेनाओं के प्रभु कहते हैं, देखो, मैं अपने
लोगों को पूर्व और पश्चिम के देशों से
छुड़ाऊँगा और उनको लौटा लाऊँगा। 8 तब
वे यरूशलेम के बीच रहेंगे। वे मेरी प्रजा
ठहरेंगे तथा मैं सच्चाई और ईमानदारी से
उनका परमेश्वर होऊँगा। 9 सेनाओं के प्रभु
कहते हैं, तुम जो इन दिनों ये वचन उन
भविष्यद्वक्ताओं के मुख से सुनते हो, जिन्होंने
सेनाओं के प्रभु की इमारत की नींव डालने
के दिन कहा था, तुम्हारे हाथ आखिर तक
सामर्थी बने रहें, कि मंदिर बनाया जा सके।
10 क्योंकि उस समय के पहले, न तो इन्सान
की मज़दूरी थी और न जानवर का भाड़ा,
बाहर जाने और अंदर आने के लिए दुश्मनों
के कारण कोई शांति नहीं थी। और मैंने
सब लोगों को एक दूसरे के खिलाफ कर
दिया था। 11 लेकिन मैं अब इस प्रजा के
बाकी लोगों से वैसा बर्ताव नहीं करूँगा जैसा
पिछले दिनों में करता था। यह सेनाओं के
प्रभु का कहना है। 12 क्योंकि बीज के लिए

शान्ति होगी। अंगूर की बेल में फल लगेंगे। ज़मीन अपनी उपज देगी। आकाश से ओस गिरेगी और मैं इस प्रजा के बाकी लोगों को इन सभी का उत्तराधिकारी बना दूँगा। 13 और हे यहूदा के घराने, और इस्त्राएल के घराने, मैं तुम्हें ऐसी मुक्ति दूँगा कि जैसे तुम सब देशों के बीच शाप के कारण थे वैसे ही आशीष के कारण बन जाओ। तुम डरना नहीं और तुम्हारे हाथ मज़बूत बने रहें। 14 क्योंकि सेनाओं के प्रभु कहते हैं : तुम्हारे पूर्वजों ने जब कभी मेरे गुस्से को भड़काया तब जैसे अपने निश्चय के अनुसार मैं तुम्हारा नुकसान करने से पीछे नहीं हटा, 15 उसी प्रकार मैंने इन दिनों यरूशलेम की और यहूदा के घराने की भलाई करने का फिर से इरादा किया है। मत डरो। 16 जो काम तुम्हें करते हैं, वे हैं, दूसरों से सच बोलो, अपनी फाटकों में सच्चाई से इन्साफ करो तथा शांति के लिए फैसला दो। 17 तुम में से कोई अपने मन में एक दूसरों के लिए नुकसान की न सोचे और न झूठी कसम खाए, क्योंकि मैं इन सभी से नफरत करता हूँ। 18 फिर सेनाओं के प्रभु का संदेश मुझे मिला, 19 सेनाओं के प्रभु कहते है : चौथे, पांचवें, सातवें और दसवें महीने के उपवास यहूदा के घराने के लिए खुशी और उत्सव के त्यौहारों के दिन हो जाएँगे। इसलिए सच्चाई और शांति से प्यार करो। 20 सेनाओं के प्रभु कहते हैं, देश देश के लोग यहाँ तक कि बड़े-बड़े नगरों के निवासी आएँगे, 21 तथा एक नगर के निवासी दूसरे नगर के निवासियों के पास जाकर कहेंगे, आओ, हम प्रभु की दया पाने के लिए प्रार्थना करने तथा सेनाओं के प्रभु की मौजूदगी के लिए तुरंत चल पड़े, मैं खुद साथ चलूँगा। 22 बहुत से देशों के वरन सामर्थी जातियों के लोग यरूशलेम में सेनाओं के याहवे को ढूँढ़ने और याहवे से बिनती करने के लिए आएँगे। 23 सेनाओं के प्रभु कहते हैं : उन दिनों में अलग-अलग भाषाएँ बोलने वाले देश में से दस जन, एक यहूदी के कपड़ों की छोर को पकड़कर कहेंगे, हमें साथ ले चलो, क्योंकि हमने सुना है कि परमात्मा तुम्हारे साथ हैं।”

9 हद्राक देश और दमिश्क के खिलाफ प्रभु का संदेश - क्योंकि सभी लोगों की निगाह खासकर इस्त्राएल के सभी कबीलों की आँखें सृष्टिकर्ता की ओर लगी हुई हैं। 2 और हमात के विरूद्ध जो दमिश्क से लगा हुआ है; सूर और सैदा के विरूद्ध भी, हालांकि वे बहुत समझदार हैं। 3 सूर ने अपने लिए एक किला बनाया तथा धूल की तरह चान्दी, और गली कूचों की कीचड़ की तरह सोने के ढेर लगाए हैं। 4 देखो, प्रभु उस से सब छीन लेंगे और उसकी दौलत को समुद्र में फेंक देंगे, तथा वह नगरी आग में भस्म कर दी जाएगी। 5 यह देखकर अश्कलोन डर जाएगा; गाज़ा पीड़ा में तड़पेगा। एक्रोन भी, क्योंकि उसकी उम्मीद टूट गई है। गाज़ा में राजा को बर्बाद किया जाएगा तथा अश्कलोन सुनसान हो जाएगा। 6 और अश्दोद में फिर अनजाने लोग बसेंगे; इसी प्रकार मैं पलिश्तियों के गर्व को तोड़ूँगा। 7 मैं उसके मुँह में खून के दाग मिटा दूँगा, तथा उनकी घिनौनी वस्तुओं को उनके दाँतों के बीच से निकाल दूँगा। तब वे भी हमारे परमेश्वर के लिए बचे हुए लोग ठहरेंगे तथा यहूदा के एक घराने की तरह हो जाएँगे और एक्रोन के लोग यबूसियों के समान हो जाएँगे। 8 लेकिन मैं अपने भवन के चारों ओर उस फौज के कारण छावनी किए रहूँगा, जो वहाँ से होकर आती-जाती है। तब कोई अत्याचारी फिर कभी उन पर हमला नहीं करेगा, क्योंकि मैंने अब खुद देख लिया है।

9 हे सिय्योन की बेटी, बहुत खुश हो! हे
यरूशलेम की बेटी, जय जयकार करो! देखो
तुम्हारा राजा तुम्हारे पास आ रहा है; वह
ईमानदारी, सच्चाई और युक्ति से सम्पन्न है,
वह नम्र है, और गदहे पर अर्थात गदहीके
बच्चे, वरन लादू के बच्चे पर बैठा है। 10 मैं
एप्रैम के रथ और यरूशलेम के घोड़े को
बर्बाद करूँगा और युद्ध के धनुष तोड़ डाले
जाएँगे। वह देश-देश के लोगों से शान्ति
की बातें कहेगा। उसका शासन समुद्र से
लेकर तथा महानद से लेकर दुनिया के कोने
तक होगा। 11 तुम्हारे बारे में यह कि तुम्हारे
साथ वाचा के खून के कारण मैंने तुम्हारे
कैदियों को सूखे गड्ढे में से आज़ाद किया
है। 12 हे आशा रखने वाले कैदियो, वापस
किले में चले जाओ। मैं आज ही एलान
करता हूँ, कि मैं तुम्हें बदले में दो गुणा
वापस कर दूँगा। 13 क्योंकि मैंने धनुष की
तरह यहूदा को चढ़ाकर उस पर तीर कि
तरह एप्रैम को लगाया है। हे सिय्योन, मैं
तुम्हारे बेटों को यूनान के बेटों के विरोध में
उभारूँगा और तुमको बहादुर की तलवार की
तरह कर डालूँगा। 14 तब प्रभु उनके ऊपर
प्रगट होंगे। उनका तीर बिजली की तरह
छूटेगा और याहवे नरसिंगा फूँककर दक्षिण
बवण्डर में होकर चल पड़ेंगे। 15 सेनाओं के
प्रभु उनकी रक्षा करेंगे। वे उनको निगल
जाएँगे, तथा गोफन के पत्थरों को रौदेंगे।
वे पीकर इतने उतावले हो जाएँगे, जैसे कि
शराब पी हो। वे कटोरे की तरह, तथा
वेदी के कोनों के समान भरे जाएँगे। 16 उस
समय उनके परमेश्वर उनको अपनी प्रजारूपी
भेड़-बकरियाँ जानकर बचाएँगे; क्योंकि वे
मुकुट-मणियों के समान चमकते रहते हैं।
17 अहा! उसकी कैसी खूबसूरती, और कैसी
शोभा होगी! खाने से उसके जवान तथा
युवतियाँ तन्दरूस्त हो जाएँगी।

10 बसन्त कालीन बरसात के समय
प्रभु से बरसात माँगो - हाँ उनसे जो
बरसात के बादल बनाते हैं। तब वह हर एक
इन्सान को बरसात की बौछार तथा खेती
में हरियाली देंगे। 2 गृहदेवता तो बेकार की
बातें कहते तथा भविष्य बतानेवाले झूठा
दर्शन देखते और झूठे स्वप्न बताते हैं। वे
बेकार शांति देते हैं। इसलिए लोग भेड़ों
की तरह भटकते हैं। वे बुरी हालत में हैं
क्योंकि कोई चरवाहा नहीं है। 3 मेरा गुस्सा
चरवाहों पर भड़का है, और मैं बकरों को
सजा दूँगा; क्योंकि सेनाओं के याहवे ने यहूदा
के घराने अर्थात अपने झुण्ड पर निगाह की
है, वह उनको अपने लिए जंग के प्रतापी
घोड़ों की तरह बनाएँगे। 4 उससे कोने का
पत्थर, उसी से तम्बू की खूंटी, उसी में से
युद्ध का धनुष, तथा उसी से प्रत्येक शासक
उत्पन्न होगा। सभी एक साथ उसी से होंगे।
5 वे बहादुर लोगों की तरह होंगे, जो दुश्मन
को युद्ध की गलियों की कीचड़ में रौंदते
है। याहवे उनके साथ हैं, इसलिए लड़ाई में
उनके घुड़सवार शर्मिन्दा होंगे। 6 मैं यहूदा
के घरोन को ताकतवर बनाऊँगा, यूसुफ के
घराने को छुड़ाऊँगा और वापस लाऊँगा,
क्योंकि मैंने उन पर तरस खाया है। वे ऐसे
होंगे जैसे मैंने उन्हें कभी त्यागा ही न हो,
क्योंकि उन्हें जवाब दूँगा। 7 एप्रैमी के लोग
शूरवीरों की तरह होंगे और उनका मन ऐसा
खुशी से भर जाएगा, जैसा दाखमधु से होता
है। निश्चय, उनके बाल बच्चे इसे देखकर खुश
होंगे। तब उनका मन प्रभु में खुश होगा। 8 मैं
सींटी बजाकर उनको इकट्ठा करूँगा, क्योंकि
मैंने कीमत देकर उन्हें छुड़ाया है। वे पहले

की तरह गिनती में ज़्यादा हो जाएँगे। 9 जब मैं
उन्हें देश-देश के लोगों के बीच बिखेर दूँगा।
तब वे दूर-दूर के देशों में मुझे याद करेंगे, और
वे अपने बाल-बच्चों सहित ज़िन्दा रहेंगे और
लौट आएँगे। 10 मैं उन्हें मिस्र देश से वापस
लाऊँगा, और अश्शूर से इकट्ठा करूँगा, तथा
गिलाद और लबानोन के देश में यहाँ तक
भरता जाऊँगा कि उनके लिए जगह बाकी
न रहेगी। 11 वह मुसीबतों के समुद्र से पार
होगा, तथा समुन्दर की लहरों पर वार करेगा
जिस से नील नदी गहराई तक सूखी जाएगी,
तथा अश्शूर का घमण्ड चूर किया जाएगा
तथा मिस्र का राजदण्ड जाता रहेगा। 12 मैं
उन्हें प्रभु में ताकतवर बनाऊँगा,और वे उनके
नाम से चले फिरेंगे, यह प्रभु कहते हैं।

11 हे लबानोन, अपने दरवाज़े खोलो
कि तुम्हारे देवदार आग का कौर
बन जाएँ! 2 हे सनौवरो, रोओ क्योंकि देवदार
गिर चुका है क्योंकि खूबसूरत पेड़ बर्बाद कर
दिए गए हैं। हे बाशान के बांजवृक्षो, शोक
करो, क्योंकि पनपता हुआ जंगल काटा जा
चुका है! 3 चरवाहों का हाहाकार सुनाई देता
है, क्योंकि उनकी शान जाती रही है। जवान
शेरों की दहाड़ सुनाई देती है, क्योंकि यरदन
की शान धूल में मिल चुकी है। 4 मेरे परमेश्वर
याहवे कहते हैं : मेरे उस गल्ले को चराओ,
जिसे काट डाले जाने के लिए अलग किया
गया है। 5 जो उनको खरीद लेते हैं, वे ही
उनको काट डालते हैं, फिर भी उन पर
आरोप नहीं लगता। उनमें से बेचनेवाले कहते
हैं : प्रभु धन्यवाद के लायक हैं, क्योंकि
हमअमीर हो गए हैं। उनके अपने चरवाहे
उन पर दया नहीं दिखाते। 6 याहवे प्रभु का
कहना है, “मैं इस देश के रहने वालों पर
अब कुछ रहम नहीं करूँगा। लेकिन देखो,
मैं लोगों को एक दूसरे के हाथ में तथा उन्हीं
के राजा के हाथ में पकड़वा दूँगा। वे देश
को बर्बाद करेंगे, और मेरे हाथ से कोई
बच न पाएगा। 7 इसलिए मैं काट डालने के
लिए अलग किए गए गल्ले और विशेषकर
पीड़ित भेड़ों की देखरेख करने लगा। मैंने
अपने लिए दो लाठियाँ लीं; एक का नाम
मैंने अनुग्रह रखा और दूसरी का एकता।
इस तरह मैंने भेड़-बकरियों की चरवाही की।
8 इसलिए कि मेरी जान उनसे ऊब चुकी
थी, तथा उनके प्राण भी मुझसे नफरत करते
थे, मैंने उनके तीनों चरवाहों को एक ही
महीने में मार डाला। 9 तब मैंने कहा, “मैं
तुम्हें नहीं चराऊँगा। जो मरने को है, वह
मर जाए, और जो काट डाले जाने के लिए
है, उसे काट डाला जाए, जो बाकी बचे,
वे एक दूसरे का गोश्त खाएँ। 10 फिर मैंने
अपनी अनुग्रह नाम की लाठी ली, और उसे
काटकर टुकड़े-टुकड़े कर दिया ताकि अपनी
उस वाचा को खतम कर डालूँ जो मैंने सभी
देशों के साथ बान्धी थी। 11 इसलिए वह
उसी दिन समाप्त हो गई। गल्ले की सताई
हुई भेड़-बकरियाँ तो मेरी ओर देख रही
थीं। उनको मालूम हो गया कि यह प्रभु की
आवाज़ है। 12 मैंने उनसे कहा, “यदि तुम्हें
यह अच्छा लगे, तो मुझे मेरी मजदूरी दो,
और न चाहो, तो मत देना।” तब उन्होंने
मेरी मजदूरी में चाँदी के तीस टुकड़े तौल
दिए। 13 तब प्रभु ने मुझसे कहा, “इन्हें कुम्हार
के आगे फेंक दो, इसकी तो कीमत ज़्यादा
है, जो उन्होंने तय की है।” तब मैंने चाँदी
के उन तीस टुकड़ों को लेकर प्रभु के घर
में कुम्हार के आगे फेंक दिया। 14 तब मैंने
अपनी दूसरी लाठी जिस का नाम एकता
था, इसलिये तोड़ डाली कि मैं उस भाईचारे
के नाते को खतम कर दूँ, जो यहूदा और
इस्त्राएल के बीच में है। 15 प्रभु ने कहा, “अब

तुम बेवकूफ चरवाहे के हथियार को ले लो।
16 क्योंकि मैं इस देश में एक ऐसा चरवाहा
ठहराऊँगा, जो खोई हुई को न ढूँढ़ेगा, न
इधर-उधर भटकी हुई को इकट्ठा करेगा, न
ज़ख्मी की मलहम -पट्टी करेगा। वह स्वस्थ
की देखभाल करेगा। लेकिन हष्ट-पुष्ट का
गोश्त खाएगा। और उसके खुरों को फाड़
डालेगा। 17 हाय, उस निकम्मे चरवाहे पर
जो भेड़-बकरियों को छोड़ देता है! उसकी
दाहिनी और बाई आँखों पर तलवार लगेगी,
तब उसकी बाँह सूख जाएगी और उसकी
दाहिनी आँख फूट जाएगी। ”

12 इस्त्राएल के बारे में प्रभु का संदेश।
आकाश को तानने वाले, पृथ्वी
की नींव डालनेवाले और मनुष्य के अन्दर
आत्मा को रचनेवाले प्रभु कहते हैं : 2 देखो,
मैं यरूशलेम को चारों ओर के देशों के लिये
लड़खड़ा देनेवाला प्याला बनाने पर हूँ और
जब यरूशलेम घेर लिया जाएगा तब यहूदा
की भी यही हालत होगी। 3 उस समय ऐसा
होगा कि मैं यरूशलेम के सभी देशों के
लिए एक भारी पत्थर बना दूँगा। जितने उसे
उठाएँगे, वे सभी बुरी तरह से ज़ख्मी हो
जाएँगे। 4 प्रभु यह कहते हैं, कि उस दिन मैं
हर एक घोड़े को घबराहट का, तथा उसके
सवार को पागलपन का शिकर बना दूँगा।
मैं गैरयहूदियों के हर एक घोड़े को अन्धा
कर दूँगा। लेकिन यहूदा के घराने के लिए
अपनी आँखें खुली रखूँगा। 5 तब यहूदा के
घराने अपने-अपने मन में कहेंगे, यरुशलेम
के निवासी अपने परमेश्वर सेनाओं के प्रभु
सेनाओं के याहवे के द्वारा हमारे मज़बूत
मददगार है।’ 6 उस समय यहूदा के घरानों
को मैं जलती लकड़ियों के बीच अंगीठी,
तथा पूलों के बीच जलती मशाल की तरह
कर दूँगा। जिससे वे अपने दाएँ-बाँए चारों
ओर के सब लोगों को भस्म करते चलेंगे,
लेकिन यरूशलेम के निवासी यरुशलेम में
अपनी-अपनी जगहों में फिर निवास करेंगे।
7 याहवे तो पहले यहूदा के तम्बुओं की रक्षा
करेंगे, जिससे दाऊद का घराने की महिमा
तथा यरूशलेम के निवासियों की महिमा।
यहूदा से बढ़कर न हो जाए। 8 उस दिन
प्रभु यरूशलेम के रहने वालों की रक्षा करेंगे
और उस दिन उनमें जो कमज़ोर होगा, वह
दाऊद के समान होगा; जो उनके आगे आगे
चलता हो। 9 उस समय यरुशलेम के विरोध
में जितने देश खड़े होंगे उन सभी को मैं
बर्बाद करने की कोशिश करूँगा। 10 फिर मैं
दाऊद के घराने और यरूशलेम के निवासियों
पर दया और प्रार्थना का आत्मा उण्डेलूँगा,
जिससे वे मुझे, जिसे उन्होंने बेधा है, देखेंगे
तथा उसके लिये ऐसा रोना-धोना करेंगे जैसा
एकलौते बेटे के लिये रोते हैं। 11 उस दिन
यरूशलेम में ऐसा विलाप होगा जैसा मगिद्दोन
की तराई में हदद्रिम्मोन में हुआ था। 12 पूरे
देश में रोना-धोना होगा। हर एक परिवार
में अलग-अलग अर्थात् दाऊद के घराने का
हर एक परिवार अलग, और उनकी स्त्रियाँ
अलग; नातान के घराने का प्रत्येक परिवार
अलग, और उनकी स्त्रियाँ अलग; 13 लेवी के
वंश के घराने का प्रत्येक परिवार अलग और
उनकी महिलाएँ अलग; शिमीयों के घराने
का परिवार अलग, 14 और बाकी परिवार
भी अलग-अलग, और उनकी स्त्रियाँ भी
अलग-अलग रोएँगी-धोएँगी।

13 उस दिन दाऊद के घराने और
यरूशलेम के रहने वालों के लिये
अपने अपराध और अपनी गंदगी धोने के
लिए एक सोता बहाया जाएगा। 2 सेनाओं
के प्रभु का संदेश है : उस वक्त ऐसा होगा
कि मैं इस देश में मूर्तियों के नाम मिटा

दूँगा। इसके बाद उन्हें कभी याद नहीं किया
जाएगा। मैं देश से नबियों और अशुद्ध आत्मा
को भी दूर कर दूँगा। 3 इसके बावजूद भी
यदि कोई नबूवत करे, तो उसको पैदा करने
वाले माता-पिता ही उससे कहेंगे, तुम ज़िन्दा
न बचोगे, क्योंकि तुमने प्रभु के नाम पर
झूठ बोला है। जब वह नबूवत करने लगे,
तभी उसको उत्पन्न करने वाले माता-पिता
उसको आर-पार छेद डालेंगे। 4 उस दिन
नबूवत करने पर हर एक नबी अपने दर्शन से
शर्माएगा। वे फिर धोखा देने के लिये रोएंदार
कपड़े नहीं पहनेंगे। 5 लेकिन हर एक जन
कहेगा, 'मैं नबी नहीं, किसान हूँ; क्योंकि
किसी इन्सान ने मुझे जवानी में ही दास होने
के लिए बेच दिया था।' 6 तब कोई उससे
पूछेगा, 'तुम्हारी बांहों के बीच में ये ज़ख्म
मेरे दोस्तों के घर में मुझे लगे थे। 7 सेनाओं
के प्रभु का कहना है, 'हे तलवार, मेरे ठहराए
हुए चरवाहे के खिलाफ अर्थात् उस मनुष्य
के खिलाफ खड़ी हो, जो मेरा सहयोगी है।
चरवाहे को मारो, जिससे भेड़ें इधर-उधर
चली जाएँ। तब मैं छोटों के विरूद्ध अपना
हाथ चलाऊँगा। 8 प्रभु का कहना है कि देश
की पूरी जनसंख्या में से दो तिहाई काटकर
मिटा दी जाएगी। लेकिन एक तिहाई बची
रहेगी। 9 उस एक तिहाई के लोगों को मैं आग
में डालकर ऐसा साफ करूँगा, जैसे चाँदी को
करते हैं, और इस तरह परखूँगा जिस तरह
सोना परखते हैं। वे मेरा नाम लेकर पुकारेंगे
और तब मैं उनको जवाब दूँगा। मैं कहूँगा, 'वे
मेरे लोग हैं। वे कहेंगे, याहवे हमारे परमेश्वर
हैं।"

14 देखो, प्रभु का वह दिन आ रहा है
जब तुम में से लूटी हुई दौलत तुम
में बाँटी जाएगी। 2 मैं सभी देशों के लोगों
को यरूशलेम से जंग करने के लिये इकट्ठा
करूँगा। तब नगर पर कब्जा कर लिया
जाएगा। घर लूटे लिए जाएँगे और महिलाओं
की इज्ज़त लूट ली जाएगी। नगर का आधा
हिस्सा गुलामी में चला जाएगा, लेकिन बाकी
लोग नगर ही में रह जाएँगे। 3 तब प्रभु महायुद्ध
की तैयारी के साथ सभी देशों के खिलाफ
युद्ध करने निकलेंगे। 4 उस दिन वह जैतून
पहाड़ पर जो पूर्व दिशा में यरूशलेम के
समाने है, पैर रखेगा। जब जैतून का पहाड़
बीचो-बीच पूर्व से पश्चिम तक फट जाएगा,
जिससे एक बहुत बड़ी खाई बन जाएगी।
आधा पहाड़ उत्तर की ओर तथा आधा
दक्षिण की ओर सरक जाएगा। 5 तब तुम मेरे
पहाड़ की तराई से होकर भागोगे, क्योंकि
पहाड़ की तराई आसेल तक पहुँचेगी। हाँ,
तुम बिल्कुल इस तरह भागोगे जिस तरह
यहूदा के राजा उज्जिय्याह के समय में भूचाल
के आगे भागे थे। तब प्रभु याहवे अपने सभी
पवित्र जनों के साथ आएँगे। 6 उस दिन रोशनी
जाती रहेगी, सारे प्रकाश पिण्ड, प्रकाशहीन
हो जाएँगे। 7 उस अनोखे दिन को केवल प्रभु
ही जानते हैं। उस समय रात-दिन न होगा।
शाम के समय भी रोशनी होगी। 8 उस दिन
जीवन का पानी यरूशलेम से बहने लगेगा।
उसका आधा हिस्सा पूर्वी समुद्र की ओर
तथा आधा हिस्सा पश्चिमी समुद्र की ओर
बहेगा। वह गर्मी और सर्दी, दोनों ही मौसम
में बहता रहेगा। 9 याहवे पूरी दुनिया के राजा
होंगे। उस दिन उन्हीं का नाम रहेगा। 10 गेबा
में यरूशलेम के दक्षिण-स्थित रिम्मोन तक
पूरी पृथ्वी समतल मैदान में बदल जाएगी।
लेकिन बिन्यामीन के फाटक से लेकर पहले
फाटक तक और वहाँ से कोनेवाले फाटक
तक, तथा हननेल के गुम्मट से लेकर राजा
के रसकुण्डों तक यरूशलेम ऊँचा होकर
अपनी ही जगह में बसा रहेगा। 11 लोग उसमें

रहेंगे क्योंकि शाप खतम हो जाएगा; क्योंकि यरूशलेम बिना किसी खतरे के बसा रहेगा।
12 जितने देशों के लोग यरूशलेम के खिलाफ
जंग में हिस्सा लेंगे, उन सभी लोगों को प्रभु
इस मरी से मारेंगे : खड़े खड़े उनका मांस
गल जाएगा। उनकी आँखें गोलकों में सड़
जाएँगी और उनकी जीभ मुँह ही में सड़
जाएगी। 13 उस दिन उन लोगों पर प्रभु की
ओर से एक बड़ा डर छा जाएगा। तब वे
एक दूसरे के हाथ पकड़ेंगे, और एक दूसरे
पर हाथ उठाएँगे। 14 यहूदा भी यरूशलेम में
यह करेगा। आसपास के देशों की दौलत
अर्थात सोना, चाँदी, और कीमती कपड़े
काफी मात्रा में इकट्ठा किए जाएँगे। 15 ऊँट
और गदहे आदि जानवरों पर भी ऐसी मरी
पड़ेगी। 16 उस समय यरूशलेम पर हमला
करने वाले सभी देशों में से जो लोग बच
जाएँगे, वे हर साल सेनाओं के याहवे - राजा
को सिज़दा करने तथा झोपड़ियों का त्यौहार
मनाने यरूशलेम जाया करेंगे। 17 जो लोग
सेनाओं के याहवे को दण्डवत नहीं करेंगे
उन पर वर्षा नहीं होगी। 18 यदि मिस्त्र का
कुल नहीं जाएगा, या यरूशलेम में दाखिल
नहीं होगा, तो उन्हें भी बरसात न मिलेगी।
उन पर वह मरी पड़ेगी जिसे प्रभु झोपड़ियों
के त्यौहार न मनाने वाले देशों पर डालते
हैं। 19 यह मिस्र तथा उन सब देशों के लिए
सज़ा ठहरेगी, जो झोपड़ियों का पर्व नहीं
मानने पाएँगे। 20 उस समय घोड़ों की घंटियों
पर खुदा होगा, “प्रभु के लिये पवित्र।” और
प्रभु के भवन के डेगचे वेदी के सामने रखे
हुए कटोरों की तरह होंगे। 21 यरूशलेम और
यहूदा का हर एक डेगचा सेनाओं के याहवे
के लिए पवित्र होगा। जो कोई कुर्बानी चढ़ाने
आएगा, वह उनमें से ले लेगा और उन्हीं
में पकाएगा। उस दिन सेनाओं के याहवे के
भवन में कोई कनानी या व्यापारी नहीं रहेगा।

DUSTY SANDALS
All Rights Reserved. www.dustysandals.com